मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 20 ■ बुधवार 25 मार्च 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

कांतारा विवाद में रणवीर मांगेंगे बिना शर्त माफी

प्रदूषण से घुट रही उल्हास नदी

मुहाने पर धरना प्रदर्शन

जल दिवस पर 'नदी बचाओ - जीवन बचाओ' का जोरदार नारा

■ प्रशासन को जगाने के लिए आकर्षक धरना प्रदर्शन
■ प्रदूषण की चपेट में उल्हास नदी;
■ उल्हास नदी के लिए नागरिकों का संकल्प

उल्हासनगर. प्रदूषण से उल्हास नदी की सांस घुट रही है और नागरिकों ने एक बार फिर इसके अस्तित्व की लड़ाई का आह्वान किया है. विश्व जल दिवस के अवसर पर नागरिकों ने मुहाने पर खड़े होकर 'नदी बचाओ - जीवन बचाओ" का जोरदार नारा लगाया और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रशासन को जगाने का संकल्प जताया।

22 मार्च को वर्ल्ड वॉटर डे के मौके पर उल्हास-वालधुनी सरिता संवर्धन समिति की तरफ से उल्हासनगर कैंप 1 में IDI कंपनी रोड से सटे मुहाने पर एक दिन का सांकेतिक धरना दिया गया। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस विरोध प्रदर्शन में उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर, कल्याण, डोंबिवली, गलेगांव, मोहना, म्हारल वगैरह जगहों से बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और उल्हास नदी में बढ़ते प्रदूषण पर कड़ी नाराज़गी जताई।

हालांकि पिछले नौ सालों से अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों के ज़रिए सरकार और प्रशासन का ध्यान उल्हास नदी को प्रदूषण-मुक्त करने की ओर दिलाया गया है, लेकिन आरोप है कि हर बार सिर्फ़ वादे ही दोहराए जा रहे हैं। इसी वजह से लोगों में गुस्सा है और अब प्रदर्शनकारियों ने ठोस और तुरंत कदम उठाने की मांग की है।

इस विरोध प्रदर्शन में यह ज़ोरदार मांग की गई कि बदलापुर, अंबरनाथ, कल्याण-डोंबिवली बेल्ट के साथ-साथ गालेगांव, मोहना, म्हारल और एंटीलिया इलाकों से सारा सीवेज तुरंत रोका जाए, और MIDC से आने वाले केमिकल वाले नालों को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि नदी में बड़ी मात्रा में पानी वाले पेड़-पौधों को हटाना, नदी के मुहाने के पास एक नया डैम बनाना, और मौजूदा जगह पर जमा केमिकल कीचड़ और मैल को तुरंत हटाना ज़रूरी है।

रवींद्र लिंगायत ने कहा कि क्लाइमेट चेंज से जुड़ी घटना 'एल नीनो' की वजह से बारिश का असंतुलन बढ़ रहा है और पानी के स्रोत ज़्यादा अस्थिर होते जा रहे हैं। इसलिए, उन्होंने समझाया कि स्थानीय नदियों का संरक्षण समय की ज़रूरत है। पर्यावरणविद शशिकांत दयामा ने 'नदी बचाओ - जीवन बचाओ" का मंत्र दिया और हर नागरिक से नदी को बचाने की पहल करने की अपील की।

इस आंदोलन में सुदाम गंगावने, निकेत व्यवहार, अश्विन भोईर, प्रशांत राउत, गोविंद बागुल, राकेश कोंकर, अविनाश सुक्रे, कुमार रेडियार, राजू पंजवानी, रोशन सिंह, सुनील उत्तेकर और कई अन्य पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस आंदोलन ने एक मज़बूत संदेश दिया कि उल्हास नदी लाखों नागरिकों के जीवन से जुड़ी एक जीवन रेखा है और इसका संरक्षण पर्यावरण नहीं बल्कि एक सामाजिक कर्तव्य है।

भविष्य में बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम्स होने का डर

इंडस्ट्रियल गंदे पानी की वजह से नदी के तल में क्रोमियम, निकल, मरकरी और लेड जैसे खतरनाक भारी मेटल्स के बढ़ते जमाव की वजह से पानी की क्वालिटी खतरे में है, जिससे भविष्य में बड़ी हेल्थ प्रॉब्लम्स होने का डर है। उन्होंने यह भी मांग की कि एंटीलिया इलाके में नदी पर बने बिना इजाज़त के घाट के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए और नदी के तल में बिना किसी ऑर्गनाइज़ेशन के पेड़ लगाने के काम की जांच करके जनता के पैसे की बर्बादी रोकी जाए।

प्रवीण का हत्यारा गिरफ्तार

■ पुलिस को मिली कामयाबी
■ पत्थर मारकर की थी हत्या
■ आरोपी 8 दिन की पुलिस हिरासत में

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 1 के शिवनेरी नगर इलाके में सोमवार शाम हुई एक युवक की पत्थर मारकर बेरहमी से हत्या के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपी का नाम शुभम पाटिल उर्फ पप्या है और कोर्ट ने उसे 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। सोमवार शाम करीब 5 बजे अज्ञात व्यक्ति ने युवक प्रवीण अशोक वर्मा के सिर पर पत्थर पटककर उसे मार डाला। इस घटना से इलाके में काफी सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही उल्हासनगर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा और जांच की कार्रवाई शुरू कर दी। घटना को गंभीरता से लेते हुए जोन 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने मौके का दौरा किया और जांच तेज करने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने कई टीमें बनाकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने शुभम पाटिल उर्फ पप्या को हिरासत में लिया। आज जब आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया तो कोर्ट ने उसे 8 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। हत्या के कारणों की जांच चल रही है।

मामूली विवाद को लेकर पड़ोसी को कुत्ते से कटवाया

कल्याण. डोंबिवली के निलजे लोढ़ा हेवन इलाके में एक हैरतअंगेज घटना सामने आई है। जहां मामूली बात को लेकर हुए झगड़े में एक परिवार ने अपने पड़ोसी को पालतू कुत्ते से कटवाया। कुत्ते के काटने की वजह से शिकायतकर्ता मनोज योगी और उनका बेटा जख्मी हो गया है। घटना को लेकर मनोज के पड़ोसी संतोष तिवारी, उनकी पत्नी अनुराधा संतोष तिवारी और बेटी कृतिका तिवारी पर मानपाड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार लोढ़ा हेवन के एफजीएच सोसायटी स्थित चंद्रेश विला के रहने वाले मनोज योगी के मकान के पीछे चेंबर भर गया था। मनोज की पत्नी और बेटा दो मजदूरों के जरिए चेंबर की सफाई करवा रहे थे। आरोप है कि तिवारी ने मजदूरों पर उनका पालतू कुत्ता छोड़ दिया। कुत्ते के डर से मजदूर काम छोड़कर भाग गए। इसके बाद आरोपी संतोष, अनुराधा और कृतिका तिवारी ने मनोज और उनकी पत्नी पर बांबू से हमला करते हुए बुरी तरह पिटाई कर दी। जब पिटाई से भी मन नहीं भरा, तो उन्होंने शिकायतकर्ता पर उनका पालतू कुत्ता छोड़ दिया।

अंबरनाथ में अतिक्रमणों पर जबरदस्त कार्रवाई

■ पान टपरियों, स्टालों, हाथगाड़ियों को तोड़ा गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ में नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने अवैध टपरियों, हाथगाड़ियों, ठेलों एवं स्कूल व मंदिर के आसपास स्थित दर्जनों पान टपरियों पर कार्रवाई करते हुए ध्वस्त कर दिया है एवं सामान जब्त कर लिया है.

अतिक्रमण विभाग के अधिकारी नरेंद्र संखे ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्याधिकारी एवं नगराध्यक्षा के आदेश पर ये कार्रवाई की गई है.

विदित हो कि 13 मार्च की आमसभा में नगरसेवकों ने शहर में अतिक्रमण एवं फेरीवालों के मुद्दे को लेकर नपा प्रशासन को आड़े हाथों लिया था. गत 2 दिनों से ये कार्रवाई चल रही है. शहर पश्चिम में केबी सड़क के आसपास की अवैध टपरियों, हाथगाड़ी वालों एवं मोरीवली गांव नाके के पास के दर्जनों मांस, मछली विक्रेताओं की टपरियों, ठेलों को तोड़ दिया गया. सामानों को जब्त किया गया है. ऐसी ही कार्रवाई शहर पूर्व में एमआईडीसी के पास कानसाई आदि जगहों पर की गई है. संखे ने बताया कि स्टेशन परिसर, वेल्फेयर सेंटर, मोरीवली गांव के पास के अवैध चिकन सेंटर को पूरी तरह जमींदोज़ किया गया है. स्कूलों के आसपास की पान टपरियों एवं मंदिरों के आसपास गुटखा, पान, तंबाकू विक्रेताओं की टपरियों को पूरी तरह तोड़ दिया गया है. साथ ही नेताओं द्वारा लगाए गए इलेक्ट्रिक पोल पर से कई बैनरों को निकाल दिया गया है. कुछ जगहों पर विरोध भी किया गया, लेकिन उनकी एक ना सुनते हुए नपा कर्मचारियों ने मंगलवार को जबरदस्त कार्रवाई की है. ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी, ऐसा अतिक्रमण विभाग के अधिकारी नरेंद्र संखे ने कहा है. इस कार्रवाई से अतिक्रमण करने वालों में खलबली मच गई है.

अपराधी काली सरदार की दहशत

■ भाजपा जिला अध्यक्ष ने की तड़ीपार करने की मांग

■ युवक पर हथियार से हमला ■ घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड

उल्हासनगर. अपराधी काली सरदार ने पुरानी रंजिश में एक युवक पर हथियार से हमला किया है। यह घटना CCTV में रिकॉर्ड हो गई है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष एवं उल्हासनगर मनपा ग्रुप लीडर राजेश वढारिया खुलकर सामने आए हैं और काली सरदार के खिलाफ MPDA अथवा तड़ीपारी की कार्रवाई की मांग की है।

यह घटना तड़के करीब 2:30 बजे उल्हासनगर कैंप 2 के झूलेलाल स्कूल रोड इलाके में हुई। आरोपी गुरुदिल सिंह उर्फ काली सरदार लबाना और उसके साथियों ने पुराने झगड़े को लेकर शिकायतकर्ता मनजीत सिंह लबाना पर हमला किया। आरोपी ने 'आज तुम्हें जान से मार देंगे' ऐसी धमकी दी और शिकायतकर्ता के सिर और चेहरे पर धारदार हथियार से हमला किया। इसमें शिकायतकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत इलाज के लिए सेंट्रल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ठाणे से कर्जत तक 'शराबी का ड्रामा'!

■ यात्रियों से बहस करने वाला पुलिस कस्टडी में

ठाणे. रेलवे पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को हिरासत में लिया है जिसने शराब पीकर ट्रेन में यात्रियों से बहस की थी। उसके खिलाफ ठाणे लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र प्रोहिबिशन एक्ट, 1949 की धारा 85 (1) और इंडियन पीनल कोड (BNS), 2023 की धारा 221 के तहत केस दर्ज किया गया है।

शराब पीकर पब्लिक जगह पर बहस करना कानून के तहत जुर्म है। इसलिए ऐसे लोगों के खिलाफ प्रोहिबिशन एक्ट के तहत कार्रवाई की जाती है। डोंबिवली में एक यात्री के साथ भी ऐसी ही घटना हुई। CSMT पुलिस स्टेशन के एक पुलिस कांस्टेबल द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, उसे 18 मार्च को मुंबई से कर्नाटक जा रही होस्पेट एक्सप्रेस में पेट्रोलिंग के लिए बुलाया गया था। जब वह एक्सप्रेस में चढ़ा, तो एक्सप्रेस कर्नाटक की ओर जा रही थी। एक्सप्रेस रात 9.51 बजे ठाणे रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर पहुंची। उस समय, एक आदमी कोच में अपने बगल में बैठे एक पैसेंजर से बहस कर रहा था। जब कॉन्स्टेबल ने उस आदमी से इस बारे में पूछा, तो उससे शराब की बदबू आ रही थी। इसलिए, उसने दूसरे पुलिसवालों से कॉन्टैक्ट किया और उन्हें उस कोच में बुलाया।

जब तक दूसरे लोग आए, ट्रेन कल्याण स्टेशन पार कर चुकी थी। कल्याण के बाद, ट्रेन कर्जत स्टेशन पर रुकी और पैसेंजर को कर्जत रेलवे स्टेशन पर उतार दिया गया। उसे वहां टिकट चेकिंग के लिए उनके सामने पेश भी किया गया। उस समय, उसने पुलिस को अपना नाम और पता बताया। वह डोंबिवली का रहने वाला है और असल में धाराशिव का रहने वाला है। जब पुलिस उसे मेडिकल जांच के लिए कर्जत के एक सरकारी हॉस्पिटल ले गई, तो पता चला कि उसने शराब पी रखी थी। चूंकि बहस ठाणे रेलवे स्टेशन एरिया में हुई थी, इसलिए उसके खिलाफ ठाणे रेलवे स्टेशन पर महाराष्ट्र प्रोहिबिशन एक्ट, 1949 के सेक्शन 85 (1) और इंडियन पीनल कोड (BNS), 2023 के सेक्शन 221 के तहत केस दर्ज किया गया है।

अंबरनाथ में भयानक हादसा

■ आवारा कुत्ते ने लड़की की हाथ काट लिया

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक भयानक हादसा हुआ है. वांद्रा पाड़ा निवासी 11 वर्षीय छात्रा वंशिका नागर को एक आवारा कुत्ते ने हाथ पर काट कर हाथ का मांस निकाल दिया है. वंशिका अपने छोटे भाई को स्कूल से घर ला रही थी. उसने अपने 7 वर्षीय भाई को बचाते हुए स्वतः को कुत्ते के आगे कर दिया था. परिसर की महिलाओं ने तुरंत घायल वंशिका को उपचार हेतु अस्पताल ले गए.

घायल वंशिका के साथ ये घटना सोमवार दोपहर में साढ़े तीन बजे हुई है. उसे पहले छाया अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हाथ का घाव बहुत ज्यादा होने से और अस्पताल में रेबिज का इंजेक्शन नहीं होने से उसे सेंट्रल अस्पताल भेजा गया. मंगलवार की सुबह में नगरसेवक विकास हेमराज द्वारा छाया अस्पतला के डॉक्टरों को पूछने पर उसका उपचार शुरू किया गया है.

वंशिका बेथल इंग्लिश स्कूल की छात्रा है. उसकी आज परीक्षा है. वो परीक्षा में बैठने के काबिल नहीं है. इसके लिए विकास हेमराज के कहने पर स्कूल के शिक्षकों ने कहा है कि वह वंशिका की हर प्रकार से सहायता करेंगे. विकास ने वंशिका के घरवालों को आर्थिक सहायता भी की है. शहर में आवारा कुत्ते बहुत ज्यादा हो गए हैं. इस कुत्तों के लिए एक शेल्टर होम बनाकर उसने रखने की मांग जोर पकड़ रही है.

■ नगरसेवक विकास हेमराज जाली लेकर नपा अधिकारी को पकड़ने नपा कार्यालय पहुंचे

परिसर के नगरसेवक विकास हेमराज ने मंगलवार की दोपहर में एक बड़ा सा जाल लेकर नगर परिषद कार्यालय में पहुंचे. उनका कहना था कि इस जाल में स्वास्थ्य अधिकारी, उनके एएसआई को पकड़कर वह उन आवारा कुत्तों के सामने डालने वाले थे. लेकिन अधिकारी राजेश शिंदे ने बताया कि उस परिसर से अब तक 16 आवारा कुत्तों को पकड़ कर लाया गया है और कुत्तों को पकड़ने का कार्य शुरू है. तब मामला शांत हुआ. विकास ने शिंदे से पूछा कि 13 मार्च की आम सभा में आवारा कुत्तों का मामला उठा था. फिर आज तक कुत्तों को पकड़ा क्यों नहीं गया है.

स्कूल टीचरों के खिलाफ पुलिस में शिकायत

■ वोटर वेरिफिकेशन का काम करने से किया था मना

कल्याण. चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, कल्याण डोंबिवली मनपा की सीमा में वोटरों को फिर से वेरिफाई करने, वोटर की जानकारी अपडेट करने और वोटर लिस्ट में धुंधली तस्वीरों को वेरिफाई करने का काम शुरू हो गया है। म्युनिसिपल कर्मचारियों और मनपा सीमा के अंदर के स्कूलों के टीचरों को मिलकर ये काम करने हैं। म्युनिसिपल के C वार्ड में एक मशहूर पुराने स्कूल के चार टीचरों ने ये काम करने से मना कर दिया. इसलिए मनपा C वार्ड के असिस्टेंट कमिश्नर भरत पवार ने इस बारे में तिलकनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

यह मशहूर स्कूल डोंबिवली ईस्ट में मानपाड़ा रोड पर है। असिस्टेंट रजिस्ट्रेशन ऑफिसर और असिस्टेंट कमिश्नर के तौर पर पवार ने तिलकनगर पुलिस स्टेशन में इस स्कूल की तीन महिला टीचरों और एक पुरुष टीचर के खिलाफ रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ द पीपल एक्ट, 1950 के सेक्शन 32 के तहत यह शिकायत दर्ज कराई है।

KDMC की सीमा में, चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार, मनपा के चुनाव विभाग ने वोटर लिस्ट के आने वाले स्पेशल शॉर्ट रिवीजन प्रोग्राम को शुरू कर दिया है। इस काम के लिए, डोंबिवली के मानपाड़ा रोड पर एक मशहूर पुराने स्कूल के चार टीचरों को पोलिंग स्टेशन लेवल के अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया था। लगातार संपर्क करने और जानकारी देने के बावजूद, ये टीचर इस ड्यूटी पर नहीं आए। इसलिए, असिस्टेंट कमिश्नर भरत पवार ने उनके ख़िलाफ़ तिलकनगर पुलिस स्टेशन में चुनाव विभाग के आदेश का उल्लंघन करने की शिकायत दर्ज कराई है।

नकली विदेशी शराब बनाने की फैक्ट्री तबाह

■ एक्साइज डिपार्टमेंट ने उल्हासनगर में बड़ी कार्रवाई की

उल्हासनगर. स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट की कार्रवाई में उल्हासनगर में नकली विदेशी शराब बनाने और बेचने का मामला सामने आया है। कार्रवाई में बड़ी मात्रा में नकली शराब, अलग-अलग ब्रांड की खाली बोतलें और ढक्कन जब्त किए गए हैं। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट ने उल्हासनगर इलाके में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसी फैक्ट्री पर छापा मारा जहां मिलावटी नकली विदेशी शराब बनाई और बेची जाती थी और आरोपी विजय वसीटा को गिरफ्तार किया। उल्हासनगर डिपार्टमेंट के स्टेट एक्साइज इंस्पेक्टर ने गुप्त सूचना के अनुसार, विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में उल्हासनगर कैंप नंबर 4 में वसीटा कॉलोनी में छापा मारा गया। अधिकारियों ने बताया कि टीम की जांच के दौरान कुल 92.5 लीटर नकली शराब ज़ब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 28 हज़ार 565 रुपये है। ऑपरेशन में सीनियर इंस्पेक्टर बालासाहेब जाधव, सब-इंस्पेक्टर अविनाश पाटिल, सोनाली गवांडे, योगेश राणे, प्रशांत निकुंभ, मयूर तायडे, प्रियंका खरात, शरद भोर, मंदार निजापकर की टीम ने हिस्सा लिया।

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे का सार्वजनिक सम्मान करने का प्रस्ताव पारित

■ उल्हासनगर के विकास में अहम योगदान
■ अलग-अलग समस्याओं के लिए पहल

उल्हासनगर. शहर के पूरे विकास के लिए लगातार कोशिश कर रहे MP डॉ. श्रीकांत शिंदे का उल्हासनगर के विकास में बड़ा योगदान अब और भी अहम होता जा रहा है। उनके काम को पहचान देते हुए, डॉ. शिंदे को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने का प्रस्ताव आम सभा में एकमत से पास कर दिया गया है। इस प्रस्ताव को शिवसेना ग्रुप लीडर अरुण आशान, नगरसेवक राजेंद्र चौधरी ने रखा है और इसे BJP ग्रुप लीडर राजेश वढारिया, शिवसेना ग्रुप लीडर राजेंद्रसिंह भुल्लर महाराज ने मंज़ूरी दी है।

■ कई पेंडिंग कामों में तेज़ी आई

पिछले कुछ सालों में, उन्होंने शहर में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने, हेल्थ सर्विसेज़ को मज़बूत करने, सड़कों को डेवलप करने, पानी सप्लाई सिस्टम को बेहतर बनाने और अलग-अलग नागरिक सुविधाएं देने में अहम भूमिका निभाई है। उनकी पहल की वजह से, कई पेंडिंग कामों में तेज़ी आई है और नागरिकों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में अच्छे बदलाव महसूस किए जा रहे हैं। हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सीमेंट कंक्रीट सड़कें, कई योजनाएं इसके अच्छे उदाहरण हैं और ये सभी काम चल रहे हैं। शहर में मेट्रो भी चलेगी।

■ प्रशासन के साथ तालमेल बिठाकर की गई उपाय योजना

उल्हासनगर में बढ़ती आबादी की वजह से पैदा हुई अलग-अलग समस्याओं को हल करने के लिए, MP शिंदे ने प्रशासन के साथ लगातार तालमेल बिठाकर उपाय किए हैं। उन्होंने शहर में सड़कों की मरम्मत और नए निर्माण, साफ पानी की सप्लाई, स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने और सार्वजनिक जगहों के सौंदर्यीकरण पर खास ध्यान दिया है। उन्होंने नागरिकों की शिकायतों पर ध्यान देने और उन्हें तुरंत हल करने के लिए समय-समय पर बैठकें की हैं, और संबंधित अधिकारियों को ज़रूरी निर्देश दिए हैं।

उल्हासनगर के लोगों तक योजनाओं का फायदा पहुंचाने में सक्रिय भूमिका

इसके अलावा, उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग योजनाओं का फायदा उल्हासनगर के लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने विकास के कामों में पारदर्शिता और तेज़ी पर ज़ोर दिया है, और उन्होंने समय-समय पर यह साफ़ किया है कि उनका मुख्य लक्ष्य शहर का पूरा विकास है। उनकी लीडरशिप की वजह से शहर के लोगों में यह भावना पैदा हुई है कि उल्हासनगर शहर तरक्की की ओर बढ़ रहा है।

सम्मान समारोह का खास महत्व

इन सभी शानदार कामों को ध्यान में रखते हुए, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन जल्द ही MP डॉ. श्रीकांत शिंदे को शहीद जनरल अरुण कुमार वैद्य टाउन हॉल में सार्वजनिक रूप से सम्मानित करेगा। उस समय शहर के MLA, मेयर, डिप्टी मेयर, कई बड़े लोग, कॉर्पोरेटर और अधिकारी मौजूद रहेंगे, और इस सम्मान समारोह का खास महत्व होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि MP शिंदे के सम्मान से शहर के विकास के लिए काम करने वाली लीडरशिप को बढ़ावा मिलेगा।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

वन्यजीव संरक्षण की सच्चाई उजागर

वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए देश भर में चिड़ियाघर और अभयारण्य बनाए गए हैं। मगर संरक्षित स्थलों पर भी सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त का अभाव कुछ वन्यजीवों की जान पर भारी पड़ रहा है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक पशु बचाव केंद्र में आवारा कुत्तों के हमले में पंद्रह हिरणों की मौत की घटना ने वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हैरत की बात है कि हिरणों को शिकार से बचाने के लिए जिस सुरक्षित स्थल पर रखा गया है, वहां आवारा कुत्तों ने ही सेंध लगाकर हमला कर दिया। कहा जा रहा है कि कुत्तों का झुंड बाड़े को तोड़कर अंदर घुस गया। इससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि वहां सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति कैसी होगी। दूसरे, इस घटना ने संबंधित पशु बचाव केंद्र में तैनात कर्मियों की लापरवाही को भी उजागर किया है। सवाल है कि आवारा कुत्ते बाड़े को तोड़कर एक के बाद एक हिरण पर हमला करते रहे, तो वहां निगरानी का जिम्मा संभाले वनकर्मियों को इसकी भनक क्यों नहीं लग पाई।

यह बात छिपी नहीं है कि विभिन्न राज्यों में कई जगह चिड़ियाघर और वन्यजीव संरक्षण केंद्र तो स्थापित कर दिए गए हैं, लेकिन वहां न तो पर्याप्त कर्मियों की तैनाती की गई है और न ही पुख्ता सुरक्षा उपाय किए गए हैं। बाड़ों के बाहर निगरानी के लिए सीसीटीवी और अन्य तकनीकी प्रबंधों का भी अभाव देखा जाता है। जंगली जानवरों के बाड़े से बाहर निकलकर खुले जंगल में गायब हो जाने की खबरें भी अक्सर आती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि बाड़ों की सुरक्षा की नियमित निगरानी नहीं हो पाती है।

छत्तीसगढ़ की घटना भी इसी व्यवस्थागत खामी और लापरवाही की वजह से हुई है। वन विभाग ने संबंधित डिप्टी रेंजर और तीन वन रक्षकों को निलंबित कर दिया है, लेकिन क्या यह कार्रवाई काफी है? अक्सर यह देखा जाता है कि इस तरह की लापरवाही में निचले कर्मियों पर निलंबन की कार्रवाई करके मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में जब तक उच्च अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक व्यवस्था में सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती।

विचार : युद्ध की तपिश से बचने की चुनौती

पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में आम लोगों की महत्वपूर्ण जरूरतों मसलन पेट्रोल-डीजल, गैस, बिजली, उर्वरक आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी तरह के संभावित उपायों पर विचार किया गया। चूंकि पश्चिम एशिया में युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है, ऐसे में सरकार की ओर से देश भर में निर्बाध आपूर्ति, स्थिर लाजिस्टिक्स और कुशल वितरण सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना स्वाभाविक है। मोदी सरकार को आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी और जमाखोरी रोकने के लिए राज्यों से उपयुक्त समन्वय करना होगा। इसके साथ ही भारतीय वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नए प्रयासों के साथ नए निर्यात गंतव्य विकसित करने होंगे।

पश्चिम एशिया में लंबे खिंचते युद्ध से दुनिया के साथ-साथ भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ती दिख रही हैं। हाल में गोल्डमैन सैक्स द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को 7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत किया गया है। आइसीआइसीआइ बैंक ने भारत के विकास दर अनुमान को 7.5 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसियों के मुताबिक कच्चे तेल के वैश्विक दाम बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने के कारण भारत के ऊर्जा आयात बिल में जबरदस्त उछाल की आशंका है। साथ ही निर्यात में कमी और महंगाई में तेजी संबंधी

चुनौतियों के कारण भी भारतीय अर्थव्यवस्था की संतुलित स्थिति के सामने खतरा दिखाई दे रहा है।

ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच विस्तारित होते हुए युद्ध से देश के कई हिस्सों में रसोई गैस और कमर्शियल गैस सिलिंडरों की आपूर्ति में बाधा से परेशानियां बढ़ती दिख रही हैं। निर्यातकों की भी मुश्किलें बढ़ी हैं। सेंसेक्स में गिरावट और डालर की तुलना में रुपये के मूल्य में कमी का परिदृश्य भी सामने है। निवेशक भारतीय बाजार से अपना धन निकालते हुए दिखाई दे रहे हैं। युद्ध का प्रभाव भारत के वित्तीय बाजार पर भी पड़ने लगा है। निवेशकों की संपत्ति में गिरावट आई है और भारतीय कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) तेजी से घटा है।

इससे पहले ऐसी गिरावट कोविड के दौरान मार्च 2020 में देखी गई थी, पर युद्ध के ऐसे असर के बीच भी भारत की कुछ ऐसी प्रभावी आर्थिक अनुकूलताएं हैं, जो देश की विकास दर को भारी आघात से बचाने वाली हैं। सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है और महंगाई को नियंत्रित रखने तथा आम आदमी पर उसके प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक खाद्य वस्तुओं के लिए बफर स्टाक बढ़ाने, खुले बाजार में खरीदे गए खाद्यान्न की रणनीतिक बिक्री करने और जरूरी आयात की सुविधा जैसे कई रणनीतिक कदम उठाए हैं।

वह निर्यातकों को राहत देने के लिए रेजिलिएंस एंड लाजिस्टिक इंटरवेंशन फार एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन (रिलीफ) योजना लेकर आई है। इसका उद्देश्य ऐसे निर्यातकों को मदद देना है, जो माल ढुलाई लागत और बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी तथा युद्ध से जुड़े निर्यात जोखिमों का सामना कर रहे हैं। इस योजना के तहत एमएसएमई निर्यातक विशेष रूप से लाभान्वित होंगे। सरकार खाड़ी देशों में जाने वाले सामान का बीमा खर्च भी उठाएगी। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत और ईरान के बीच कूटनीतिक बातचीत के बाद ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल और गैस टैंकरों को 'होर्मुज स्ट्रेट' से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है।

खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित चार प्रतिशत के लक्ष्य से भी कम है। देश के पास विशाल खाद्यान्न भंडार, पेट्रोल-डीजल आपूर्ति के लिए रणनीतिक भंडार, जरूरत की दवाइयों का पर्याप्त स्टाक भारत की आर्थिक अनुकूलताओं के रूप में दिखाई दे रही हैं। जहां रिकार्ड खाद्यान्न उत्पादन देश के आम आदमी के लिए भोजन की गारंटी है, वहीं कई जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न आपूर्ति का आधार भी है। पिछले वर्ष 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकार्ड उत्पादन हुआ और इस वर्ष इससे भी अधिक उत्पादन की संभावना है।

जब सप्लाई रुकती है, तब शुरू होता है असली संकट

किसी भी युद्ध में भले ही दो देश या पक्ष शामिल होते हैं, लेकिन संभव है कि उसके नतीजों का दायरा इतना बड़ा हो कि अन्य कई देशों के लोगों के सामने मुसीबतें खड़ी हो जाएं। मसलन, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद न केवल पश्चिम एशिया में, बल्कि समूची दुनिया में कई स्तर पर मुश्किलें बढ़ती देखी जा सकती हैं। यह छिपा नहीं है कि ऊर्जा या तेल और गैस के लिए बहुत सारे देश अपनी जरूरतों के ज्यादातर हिस्से के लिए मध्यपूर्व पर निर्भर हैं। मगर इस युद्ध की शुरुआत के बाद अब धीरे-धीरे स्थितियां बिगड़नी शुरू हो चुकी हैं। हालांकि भारत सहित कई देश साफतौर पर किसी भी मसले का हल युद्ध के बजाय कूटनीति के जरिए निकालने के पक्ष में रहे हैं, लेकिन जंग में शामिल देश कई बार इस सबसे जरूरी तकाजे को समझने में देर कर देते हैं। दोतरफा व्यापक हमलों और उसमें जानमाल के भारी नुकसान के बीच ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से दुनिया के कई देशों में तेल और गैस की आपूर्ति भी सीमित या बहुत कम हो गई है। यह ऐसी मुश्किल है, जिससे सभी लोग प्रभावित होंगे।

समस्या यह है कि अगर संघर्ष लंबा खिंचा, तो आम लोगों के सामने बहुस्तरीय संकट खड़े होंगे और सरकार

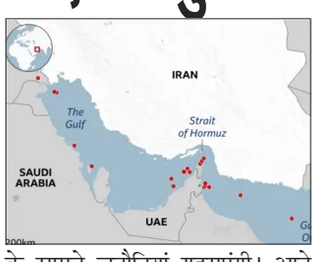

के सामने चुनौतियां गहराएंगी। आने वाले दिनों में युद्ध के स्वरूप के बिगड़ने और इसका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका के मद्देनजर ही प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के सामने 'अप्रत्याशित चुनौतियां' हैं। जाहिर है, अब जो हालात हैं, उसमें इनका सामना करना ही विकल्प है। ऐसे में सरकार को जहां रोजमर्रा की अनिवार्य जरूरतों की आपूर्ति को संतोषजनक स्तर पर बनाए रखने के लिए हर उपाय करना होगा, वहीं विपरीत स्थितियों में भी भरोसे को बनाए रखना होगा।

शायद इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि कोविड महामारी के दौरान भी आपूर्ति श्रृंखला का संकट पैदा हुआ था और देश ने एकजुटता से उसका मुकाबला किया। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही लगभग ठप पड़ने की वजह से भारत में भी तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में व्यापक पैमाने पर बाधा पहुंची है और देश को कच्चे तेल एवं गैस की खरीद के लिए रूस तथा अन्य देशों के विकल्प की ओर देखना पड़ा है।

इतना तय है कि विनाशक हथियारों के हमले से होने वाले नुकसान के समांतर ही दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में जिस स्तर पर ऊर्जा से लेकर खाद्यान्न संकट तक की स्थितियां खड़ी हो रही हैं, उसके असर दीर्घकालिक होंगे। युद्ध की शुरुआत के जो भी कारण बताए जाते हों, मगर उसका समाधान आखिरी तौर पर कूटनीतिक पहलकदमी, संवाद और समझौते के जरिए ही संभव होता है। मगर कई बार संवाद के जरिए समाधान तक पहुंचने में जितना वक्त लगाया जाता है, उसमें न जाने कितने ऐसे निर्दोष लोगों की जान चली जाती है, जिनका युद्ध से कोई वास्ता नहीं होता और कितने संसाधनों का नाश हो चुका होता है।

इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने ईरान और इजराइल-अमेरिका की जंग में भी बातचीत तथा कूटनीति का रास्ता अख्तियार करने पर जोर दिया। भारत के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती देश में तेल, रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की आपूर्ति को सामान्य बनाने की है, ताकि महंगाई नियंत्रण में रहे और आम लोगों का जीवन बाधित न हो। किसी भी विपरीत हालात में आम लोगों की उम्मीद सरकार और उसके रुख पर टिकी होती है।

किस देश में खाते हैं सबसे ज्यादा अंडे?

जरा हट के

उत्तर प्रदेश में 1 अप्रैल 2026 से अंडों की बिक्री को लेकर एक बड़ा बदलाव लागू होने जा रहा है, जिसका सीधा असर आम लोगों की सेहत और खर्च पर पड़ेगा. अब उत्तर प्रदेश सरकार ने नियम बनाया है कि हर अंडे पर उसकी उत्पादन तिथि (Laying Date) और एक्सपायरी डेट (Expiry Date) लिखना जरूरी होगा, ताकि ग्राहक सही जानकारी के साथ खरीदारी कर सकें. इसी बीच यह जानना भी रोचक है कि दुनिया में अंडों की खपत में भारत किस स्थान पर है.

अगर प्रति व्यक्ति अंडों की खपत की बात करें, तो मेक्सिको इस सूची में सबसे आगे है. वहां एक व्यक्ति सालभर में औसतन करीब 363 अंडे खा जाता है, यानी लगभग रोज एक अंडा उसकी डाइट का हिस्सा होता है.

मेक्सिको में अंडों को सस्ते और आसानी से मिलने वाले प्रोटीन के प्रमुख स्रोत के रूप में देखा जाता है. यही वजह है कि अंडों की खपत के मामले में कई विकसित देश भी उससे पीछे रह जाते हैं और मेक्सिको वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा उपभोक्ता बनकर उभरता है.

भले ही प्रति व्यक्ति अंडों की खपत के मामले में भारत मेक्सिको से पीछे हो, लेकिन उत्पादन के लिहाज से देश काफी मजबूत स्थिति में है. भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अंडा उत्पादक बन चुका है.

वर्ष 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अंडों का कुल उत्पादन करीब 149.11 अरब तक पहुंच गया है. पिछले कुछ वर्षों में पोल्ट्री सेक्टर में हुई तेज प्रगति ने भारत को इस क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख स्थान दिलाया है, जिसकी वजह से देश में पूरे साल अंडों की अच्छी उपलब्धता बनी रहती है.

जहां तक खपत की बात है, भारत में एक व्यक्ति सालभर में औसतन करीब 106 अंडे ही खाता है. यह संख्या मेक्सिको के मुकाबले काफी कम है और वैश्विक औसत से भी नीचे आती है. हालांकि, दक्षिण एशिया के देशों की तुलना में भारत इस मामले में आगे है और यहां अंडों की मांग और आपूर्ति दोनों ही लगातार बढ़ रही हैं.

पनीर मखाना की सब्जी

खाना-खजाना

सामग्री

- पनीरः 200 ग्राम
- मखानाः 1 कप
- टमाटरः 3 से 4
- काजूः 10-12
- अदरकः 1 इंच का टुकड़ा
- हरी मिर्चः 2 (या स्वादानुसार)
- सेंधा नमकः स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडरः आधा छोटा चम्मच
- जीराः 1 छोटा चम्मच
- देसी घीः 2 से 3 बड़े चम्मच
- हरा धनियाः बारीक कटा हुआ

विधि

सबसे पहले एक पैन या कड़ाही में आधा चम्मच देसी घी गरम करें। अब इसमें मखाने डालकर धीमी आंच पर भूनें। जब मखाने हल्के सुनहरे और कुरकुरे हो जाएं, तो उन्हें एक प्लेट में निकाल कर अलग रख लें। बिना प्याज के ग्रेवी को गाढ़ा करने का राज इस पेस्ट में है। मिक्सर जार में कटे हुए टमाटर, अदरक, हरी मिर्च और भीगे हुए काजू डालें। इन सभी को पीसकर एक बहुत ही स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। काजू डालने से सब्जी में एक क्रीमी और शाही स्वाद आता है। उसी कड़ाही में 2 बड़े चम्मच देसी घी गरम करें। घी गरम होते ही उसमें जीरा डालें। जब जीरा चटकने लगे,

तो उसमें टमाटर और काजू वाला पेस्ट डाल दें। अब इसे मध्यम आंच पर तब तक भूनें जब तक कि मसाला घी न छोड़ने लगे। जब मसाला अच्छे से भुन जाए और उसमें से बढ़िया खुशबू आने लगे, तो उसमें सेंधा नमक और काली मिर्च पाउडर डाल दें। इसे अच्छे से मिलाएं। अब ग्रेवी बनाने के लिए इसमें लगभग 1 से डेढ़ कप पानी डालें और एक उबाल आने दें। ग्रेवी में उबाल आते ही इसमें कटे हुए पनीर के टुकड़े और भुने हुए मखाने डाल दें। सब्जी को हल्के हाथों से मिलाएं ताकि पनीर टूटे नहीं। अब कड़ाही को ढक दें और धीमी आंच पर 4 से 5 मिनट तक पकने दें, ताकि मखाने और पनीर के अंदर मसालों का स्वाद अच्छे से चला जाए। आपकी गरमा-गरम और बेहद स्वादिष्ट व्रत वाली पनीर-मखाना की सब्जी तैयार है। गैस बंद करें और ऊपर से बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालकर इसे सजाएं।

शरीर में ये 7 बदलाव हो सकते हैं टीबी का संकेत

नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

ट्यूबरकुलोसिस यानी टीबी भारत समेत दुनिया भर में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। अक्सर लोग इसे साधारण खांसी या कमजोरी समझकर टाल देते हैं, लेकिन यहीं अनदेखी आगे चलकर जानलेवा साबित हो सकती है। टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस बैक्टीरिया के कारण होने वाला एक इन्फेक्शन है, जो मुख्य रूप से फेफड़ों को प्रभावित करती है, लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है। समय पर पहचान ही इस बीमारी के इलाज को आसान और सफल बनाने का का सबसे असरदार तरीका है। आइए जानते हैं टीबी के उन शुरुआती लक्षणों के बारे में जिन्हें आपको कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए।

■ लगातार खांसी

टीबी का सबसे आम और शुरुआती लक्षण है दो-तीन हफ्ते या उससे ज्यादा समय तक रहने वाली खांसी। अगर आपको लंबे समय से खांसी है और सिरप या सामान्य दवाओं से ठीक नहीं हो रही, तो यह फेफड़ों की टीबी का संकेत हो सकता है।

■ खांसी के साथ खून या बलगम आना

जब टीबी का बैक्टीरिया फेफड़ों के टिश्यू को नुकसान पहुंचाना शुरू करता है, तो खांसी के साथ बलगम आने लगता है। कई मामलों में बलगम के साथ खून भी दिखाई दे सकता है, जो एक गंभीर चेतावनी संकेत है।

■ सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ

अगर आपको सांस लेते समय

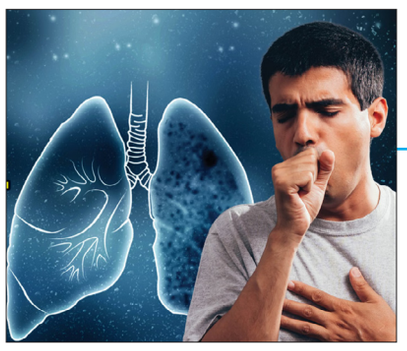

या खांसते समय सीने में तेज दर्द महसूस होता है, तो इसे नजरअंदाज न करें। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि इन्फेक्शन फेफड़ों की मेंमब्रेन तक पहुंच गया है।

■ शाम के समय बुखार और कंपकंपी

टीबी के मरीजों में अक्सर हल्का बुखार देखा जाता है, जो खासतौर से शाम या रात के समय बढ़ जाता है। इसके साथ ही मरीज को ठंड या कंपकंपी महसूस हो सकती है।

■ रात में पसीना आना

बिना किसी भारी काम के या ठंडे मौसम में भी अगर सोते समय पसीना आए कि कपड़े भीग जाएं, तो यह टीबी का एक लक्षण है। शरीर इन्फेक्शन से लड़ने की कोशिश में अपना तापमान बढ़ाता है, जिसके कारण रात में पसीना आता है।

■ तेजी से वजन कम होना और भूख न लगना

अगर आप बिना किसी डाइटिंग या जिम के अचानक अपना वजन कम होता देख रहे हैं, तो सावधान हो जाएं। टीबी के बैक्टीरिया शरीर की एनर्जी सोख लेते हैं और मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करते हैं, जिससे भूख कम लगती है और शरीर कमजोर होने लगता है।

■ थकान और कमजोरी

हर समय सुस्ती महसूस होना, बिना कुछ किए ही शरीर में एनर्जी की कमी लगना और सामान्य कामों में भी जल्दी थक जाना टीबी के शुरुआती संकेत हो सकते हैं।

क्यों खतरनाक है देरी करना?

टीबी का बैक्टीरिया हवा के जरिए फैलता है। जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो यह बैक्टीरिया दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर सकता है। अगर शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज किया गया, तो इन्फेक्शन फेफड़ों से बढ़कर शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैल सकता है। साथ ही, बीमारी का इलाज भी ज्यादा लंबा और मुश्किल हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क : प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में इच्छा पूरी होने की संभावना है।

सिंह : भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या : शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें।

तुला : शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें।

वृश्चिक : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु : किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

मकर : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

कुंभ : मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा।

मीन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

फाइबर, विटामिन से भरपूर होता है शहतूत

गर्मियों में पाया जाता है ये फल

शहतूत स्वाद के साथ सेहत का भी खजाना है. काले, लाल या बैंगनी रंग का यह छोटा सा फल पोषक तत्वों से भरपूर होता है. आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में शहतूत को कई रोगों में लाभकारी माना गया है. नियमित और संतुलित मात्रा में इसका सेवन शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचा सकता है.

दरअसल रायबरेली जिले के आयुष चिकित्सा विशेषज्ञ स्मिता श्रीवास्तव बताती हैं कि शहतूत में विटामिन C, विटामिन K, आयरन, पोटैशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत है.इसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं.

स्मिता श्रीवास्तव के मुताबिक शहतूत में आयरन की मात्रा अच्छी होती है, जो हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करती है.एनीमिया से पीड़ित लोगों के लिए यह फल लाभकारी माना जाता है.

शहतूत में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है. यह कब्ज की समस्या में राहत देता है और आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करता है. साथ ही इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और पोटैशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में सहायक हो सकते हैं.नियमित सेवन से हृदय रोगों के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है.

विटामिन C से भरपूर शहतूत त्वचा को चमकदार बनाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है. यह शरीर को मौसमी संक्रमण से बचाने में भी सहायक माना जाता है.

शहतूत के पत्तों और फल में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर को संतुलित रखने में मदद कर सकते हैं.हालांकि, मधुमेह के मरीजों को इसका सेवन डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए.

सावधान! गर्मियों में आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं ये आम आदतें

सूरज की तपिश बढ़ने के साथ ही गर्मियां अपने पूरे शबाब पर है. लेकिन यह मौसम अपने साथ सेहत से जुड़ी कई चुनौतियां भी लेकर आता है. जिला अस्पताल की डाइटिशियन डॉ. सपना सिंह के मुताबिक, गर्मी शुरू होते ही अस्पताल में मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा होने लगा है. हर दिन करीब 20 से ज्यादा मरीज सिर्फ पानी की कमी, डिहाइड्रेशन और पेट की समस्याओं के कारण इलाज के लिए पहुंच रहे हैं. डॉ. सपना का कहना है कि इस मौसम में सबसे ज्यादा जरूरी है शरीर में पानी की मात्रा को बनाए रखना. खासकर वे लोग जो फील्ड में काम करते हैं या धूप में ज्यादा रहते हैं, उन्हें अपनी सेहत के प्रति दोगुना सावधान रहने की जरूरत है.

डिहाइड्रेशन का खतरा और इसके प्रभाव

गर्मी के मौसम में शरीर पसीने के जरिए अपनी नमी तेजी से खो देता है. डॉ. सपना सिंह ने बताया कि एक स्वस्थ व्यक्ति को दिन भर में कम से कम दो से ढाई लीटर यानी करीब 8 से 10 गिलास पानी पीना जरूरी है. यदि आप कम पानी पीते हैं, तो शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है, जिससे आपकी इम्युनिटी भी कमजोर हो जाती है और बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं. शरीर में पानी घटते ही थकान, तेज सिरदर्द और भारी कमजोरी महसूस होने लगती है. इसके अलावा पानी की कमी से शरीर का तापमान अचानक बढ़ जाता है, जो गर्मी के झटके या हीट स्ट्रोक का कारण बन सकता है.

इन गंभीर समस्याओं के शिकार हो सकते हैं आप

पानी की कमी सिर्फ प्यास तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह शरीर के कई अंगों पर बुरा असर डालती है. कम पानी पीने से पेशाब की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मूत्र संबंधी बीमारियां और जलन की समस्या घेर लेती है. डिहाइड्रेशन की वजह से माइग्रेन और असहनीय सिरदर्द की परेशानी भी काफी बढ़ जाती है. इसके साथ ही त्वचा पर भी इसका बुरा असर पड़ता है, जिससे स्किन रूखी हो जाती है और खुजली व रैशेज की समस्या होने लगती है. डॉ. के अनुसार, अस्पताल में आ रहे ज्यादातर मरीजों में पेट से जुड़ी दिक्कतें और शरीर में पानी की भारी कमी देखी जा रही है, जिसका समय पर इलाज न होने पर स्थिति गंभीर हो सकती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

महिला पुलिसकर्मी को बार-बार कॉल, उत्पीड़न में नपा यूपी पुलिस का हेड कांस्टेबल, बर्खास्त

ललितपुर. ललितपुर में पुलिस विभाग ने मंगलवार को अनुशासनहीनता और गंभीर आरोपों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरक्षी जितेंद्र यादव को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। आरोपी पर महिला पुलिसकर्मी को लगातार फोन कर मानसिक उत्पीड़न करने, धमकी देने और विभागीय छवि खराब करने जैसे गंभीर आरोप साबित हुए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने बताया कि जितेंद्र यादव महिला पुलिसकर्मी को बार-बार अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर परेशान करता था। वह उसे धमकियां देता था और निपटा देने तक की बात करता था, जिससे महिला कर्मी मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रही थी। मामला सामने आने के बाद इसे गंभीरता से लेते हुए जांच बैठाई गई।

भैंसे के लिए युवक की हत्या! चोरी के शक में दिव्यांग को मार डाला, गड्ढे में दबाया शव

बागपत. यूपी के बागपत से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां दिव्यांग युवक की चार लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर शव गड्ढे में दबा दिया। एक महीने से युवक को तलाश कर रहे परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों की निशानदेही पर मजिस्ट्रेट नायाब तहसीलदार बड़ौत की देखरेख में गन्ने के खेत से गड्ढा खुदवाकर शव निकलवाया। मुख्य आरोपी ने बताया कि भैंसा चोरी के शक में युवक की पिटाई की थी जिससे उसकी मौत हो गई। दाहा गांव के रहने वाले अरविंद उर्फ बिल्लू शर्मा ने दोघट थाने पर सोमवार को मुकदमा दर्ज कराया था।

उसने बताया उसका छोटा भाई 40 वर्षीय संजय उर्फ संजू निरपुड़ा गांव में सचिन के यहां मजदूरी पर गन्ना छिलाई करता था। संजय एक महीने से घर नहीं आया था। फोन पर भी संपर्क नहीं हो रहा था। सोमवार सुबह वह संजय का पता लेने सचिन के यहां पहुंचा तो उसने जानकारी से इनकार कर दिया। शक होने पर अरविंद ने सचिन और उसके दोस्तों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने सचिन को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की।

सपा के पूर्व विधायक अंसार अहमद को पुलिस ने हिरासत में लिया, FIR दर्ज

प्रयागराज के फाफामऊ थाना क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज का एक हिस्सा ढहने से चार श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मालिक और समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक अंसार अहमद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त (गंगा नगर) कुलदीप गुनावत के अनुसार, घटना के संबंध में सोमवार देर रात सात नामजद और चार-पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

दरअसल, चंदापुर गांव स्थित कोल्ड स्टोरेज का एक हिस्सा सोमवार दोपहर अचानक ढह गया। हादसे में घायल श्रमिकों को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मामले की जांच एडीएम (वित्त एवं राजस्व) विनिता सिंह को सौंपी है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट दो दिन में और विस्तृत रिपोर्ट सात दिन के भीतर प्रस्तुत की जाएगी।

होर्मुज में जहाजों को रोकना अस्वीकार्य

■ **हम संवाद का रास्ता अपना रहे; राज्यसभा में बोले PM मोदी**

नई दिल्ली. पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर राज्यसभा में वक्तव्य देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार (24 मार्च) को कहा कि इस संकट ने पूरी दुनिया में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। इसके साथ ही प्रधानमंमत्री ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा जहाजों का रास्ता रोकना अस्वीकार्य है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन को बताया कि इस संकट की घड़ी में भारत ने संवाद का रास्ता अपनाया है और इसी के जरिए भारत ने अपने जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से बाहर निकालने में सफलता पाई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने पश्चिम एशिया में सभी पक्षों से बातचीत की है। पीएम ने कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिम एशिया के करीब सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ दो बार बातचीत कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि खाड़ी के देशों में बसे भारतीयों की सुरक्षा और आजीविका सरकार के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया का संकट भारत के लिए चिंता का कारण है। उन्होंने कहा कि अगर यह जंग जारी रही, तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, ₹भारत हर सेक्टर में यह प्रयास कर रहा है कि किसी भी सेक्टर में दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भरता न हो।₹ पीएम ने शिप बिल्डिंग से लेकर रेयर अर्थ मिनरल्स तक, आत्मनिर्भरता के प्रयास गिनाए और कहा इस संकट ने दुनिया को हिला दिया है। इससे रिकवर करने में भी दुनिया को काफी समय लगेगा। पीएम ने कहा कि भारत सरकार पल-पल बदलते हालात पर नजर रखे हुई है।

युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर राज्यसभा में वक्तव्य देते हुए कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है तथा इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। "इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है।" पीएम ने कहा कि हम सभी संभव स्रोतों से गैस, कच्चा तेल खरीदने की कोशिश कर रहे हैं, आने वाले दिनों में प्रयास जारी रहेंगे।

खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय

पीएम मोदी ने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दुनिया के कई जहाज फंसे हुए हैं। उनमें भारतीय चालक दल की संख्या भी बहुत अधिक है तथा यह भी भारत की एक बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसी विकट परिस्थिति में आवश्यक है कि भारत की संसद के इस उच्च सदन से शांति एवं संवाद की एकजुट आवाज पूरे विश्व में जाए।

भारत के पास 10 दिन से भी कम का रणनीतिक तेल भंडार

पिछले 25 दिनों से जारी ईरान जंग की वजह से वैश्विक तनाव और तेल आपूर्ति पर मंडराते खतरे के बीच एक अहम खुलासा सामने आया है।

एक आरटीआई के जवाब में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया है कि भारत के पास मौजूद रणनीतिक कच्चे तेल का भंडार देश की जरूरतों को केवल लगभग 9.5 दिनों तक ही पूरा कर सकते हैं। सरकार की तरफ से दिया गया यह जवाब दिखाता है कि भारत के पास कितना कम तेल भंडार बचा है।

सूचना का अधिकार (RTI) के तहत इंडिया टुडे की तरफ से मांगी गई जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार दबाव में हैं; क्योंकि संघर्ष के कारण एक तरफ कच्चे तेल की कीमतों में पहले तेजी आ चुकी है।

गुजरात विस में UCC बिल पेश

■ **शादी, लिव-इन के लिए समान कानून का प्रस्ताव, सड़कों पर विरोध**

गांधीनगर. गुजरात सरकार ने विधानसभा में समान नागरिक संहिता (UCC) बिल 2026 पेश किया है, जिसका मकसद शादी, तलाक और विरासत जैसे विषयों के लिए सभी धर्मों के नागरिकों के लिए एक समान कानून बनाना है। उत्तराखंड के बाद गुजरात ऐसा करने वाला दूसरा राज्य बनेगा। यह कानून राज्य के निवासियों और बाहर रह रहे गुजरातियों पर लागू होगा लेकिन अनुसूचित जनजातियों को इससे बाहर रखा गया है। बिल की मुख्य बातों में बहुविवाह पर रोक और लिव-इन संबंधों का अनिवार्य रजिस्ट्रेशन शामिल है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक, 2026 विधानसभा में पेश किया। यदि यह विधेयक विधानसभा में पारित हो जाता है तो गुजरात, उत्तराखंड के बाद समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने वाला देश का दूसरा राज्य बन जाएगा। उत्तराखंड ने फरवरी 2024 में यूसीसी विधेयक पारित किया था।

गुजरात सरकार की ओर से नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति ने यूसीसी के क्रियान्वयन पर एक हफ्ते पहले अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। 'गुजरात समान नागरिक संहिता, 2026' नामक यह प्रस्तावित कानून पूरे राज्य में लागू होगा। यही नहीं गुजरात की सीमा से बाहर रहने वाले राज्य के निवासियों पर भी यह कानून प्रभावी होगा।

यह प्रस्तावित कानून अनुसूचित जनजातियों और कुछ ऐसे समूहों पर लागू नहीं होगा जिनके पारंपरिक अधिकार संविधान के तहत संरक्षित हैं।

महिला सैन्य अधिकारियों को मिले परमानेंट कमीशन -सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सेना में शार्ट सर्विस कमीशन वाली महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने पर एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है. इसे लैंगिक असमानता दूर करने की दिशा में अहम माना जा रहा है.भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि सेना में शार्ट सर्विस कमीशन के तहत भर्ती होने वाले महिलाओं को स्थायी कमीशन मिलेगा.अदालत ने सेना में महिलाओं के खिलाफ व्यवस्थागत भेदभाव को स्वीकार करते हुए उनके हक में फैसला सुनाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिले विशेषाधिकारों का इस्तेमाल किया.सेना में एसएससी के भर्ती होने वाली महिलाएं अब तक स्थायी कमीशन से वंचित थीं. इसकी वजह से रिटायर होने के बाद उनको पेंशन और भत्ते भी नहीं मिलते थे.

चुनाव आयोग की चिट्ठी पर भाजपा का स्टैंप

■ **जमकर बवाल**

■ **विपक्ष बोला- कम से कम डेस्क तो अलग रखिए**

तिरुवनंतपुरम. केरल में सोमवार को एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। यह विवाद तब शुरू हुआ जब चुनाव आयोग का एक ऐसा पत्र सामने आया जिस पर भारतीय जनता पार्टी की केरल इकाई की मुहर लगी हुई थी। यह चिट्ठी सामने आते ही मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस ने सरकार को आयोग पर निशाना साधते हुए कई सवाल उठाए। आयोग के इस पत्र को सबसे पहले माकपा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स शेयर किया। पार्टी के मुताबिक 19 मार्च 2019 को देश की राजनीतिक पार्टियों को भेजे गए एक पत्र के साथ संलग्न शपथपत्र में आयोग की आधिकारिक मुहर की जगह प्रदेश भाजपा की मुहर लगी हुई थी।

माकपा ने कसा तंज...

माकपा ने इस मामले में कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "क्या भाजपा ने अब सारे दिखावे छोड़ दिए हैं?" पार्टी ने तंज कसते हुए कहा, "यह कोई रहस्य नहीं है कि एक ही शक्ति केंद्र निर्वाचन आयोग और भाजपा, दोनों को नियंत्रित करता प्रतीत होता है। फिर भी, कम से कम दो अलग-अलग डेस्क की औपचारिकता तो बनाए रखें।" पार्टी ने आरोप लगाया, "मुहरें यूं ही बदली जा रही हैं। निर्वाचन आयोग के पत्र पर भाजपा की मुहर! पुराने आरोप की तरह कि आप कोई भी बटन दबाएं, कमल ही दिखाई देता है- वैसा ही एक और 'संयोग' सामने आया है।"
माकपा ने दावा किया कि यह दस्तावेज कई पार्टियों को प्राप्त हुआ था और कम से कम दो प्राप्तकर्ताओं से इसका क्रॉस-वेरिफिकेशन किया गया"। पार्टी ने यह भी कहा कि ईमेल आयोग के एक आधिकारिक स्रोत से भेजा गया था।

लैंड फॉर जॉब घोटाला में लालू यादव को फिर झटका

अब दिल्ली हाईकोर्ट से याचिका खारिज

नई दिल्ली. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। रेलवे में लैंड फॉर जॉब घोटाला से जुड़े सीबीआई केस को रद्द करने की मांग वाली याचिका को अदालत ने मंगलवार को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि लालू की याचिका में कोई दम नहीं है, इसलिए इस पर सुनवाई नहीं की जाएगी।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार लालू प्रसाद यादव की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में लैंड फॉर जॉब केस में केंद्रीय जांच एजेंसी

(सीबीआई) की ओर से दर्ज एफआईआर और तीनों चार्जशीट रद्द करने की मांग की थी। इसके साथ ही ट्रायल कोर्ट द्वारा इन आरोप-पत्रों पर संज्ञान लिए जाने के आदेशों को भी रद्द करने का आग्रह किया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस रविंद्र दुडेजा ने याचिका में की गई मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है।

ट्रायल कोर्ट से भी लगा था झटका

इससे पहले लालू परिवार को ट्रायल कोर्ट से झटका लगा था। पिछले दिनों दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब केस में लालू और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की याचिका खारिज कर दी थी। इसमें आरोपियों की ओर से अदालत से 1600 से अधिक दस्तावेज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

AIADMK ने महिलाओं को 2 हजार देने का किया वादा

चेन्नई. AIADMK ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। चेन्नई में पूर्व मुख्यमंत्री और एआईएडीएमके महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी की ओर से जारी इस घोषणापत्र में कुल 297 वादे शामिल हैं। पार्टी ने इसे वर्तमान DMK सरकार की प्रशासनिक अक्षमता के खिलाफ जनता की पीड़ा को दूर करने का दस्तावेज बताया है। एआईएडीएमके का दावा है कि पिछले 5 वर्षों में जरूरी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। संपत्ति कर, घर कर, बिजली दर और पानी शुल्क में भारी वृद्धि हुई है, जिससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

घोषणपत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने और आम जनता को राहत पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया है। सबसे चर्चित योजना विलक्कू स्कीम है। इसके तहत हर राशन कार्डधारक परिवार की महिला मुखिया के बैंक खाते में हर महीने 2000 रुपये की सहायता राशि सीधे जमा की जाएगी। इससे समाज में आर्थिक संतुलन स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा हर परिवार को टैक्स के बोझ और महंगाई से निपटने के लिए 10,000 रुपये की विशेष सहायता दी जाएगी।

2029 चुनाव से पहले लागू होगा 33% महिला आरक्षण

■ **लोकसभा सीटें बढ़कर 816 होंगी**

■ **महिला सांसदों की संख्या 273 तक पहुंचेगी**

नई दिल्ली. केंद्र सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करने की तैयारी में है। इसके लिए संसद के मौजूदा सत्र में दो बिल लाए जा सकते हैं।

इसके जरिए महिला आरक्षण लागू करने की मौजूदा शर्त में बदलाव किया जाएगा। इससे लोकसभा में सदस्यों की संख्या 543 से बढ़कर 816 हो सकती है।

इनमें महिला सांसदों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 273 हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने इस पर सहमति बनाने के लिए सोमवार को एनडीए और गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। सहमति बनने पर बिल इसी हफ्ते पेश किए जा सकते हैं।

दरअसल, 2023 में महिला आरक्षण कानून संविधान के 106वें संशोधन के रूप में पास हुआ था। इसके तहत महिला आरक्षण नई जनगणना के बाद लागू होना है।

अब सरकार का प्रस्ताव है कि नई जनगणना का इंतजार करने की बजाय 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन किया जाए।

IPL गाइडलाइन- मैच के दिन प्रैक्टिस पर रोक

IPL 2026 के लिए BCCI ने नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत मैच के दिन कोई भी टीम प्रैक्टिस नहीं कर सकेगी। साथ ही खिलाड़ियों के लिए मैच-डे पर फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। वहीं जर्सी नंबर बदलने से 24 घंटे पहले जानकारी देनी होगी और ड्रेसिंग रूम में सिर्फ स्टाफ को ही एंट्री मिलेगी।

IPL की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जाएगा। BCCI ने 11 मार्च को IPL 2026 के पहले फेज का शेड्यूल जारी किया है।

शुरुआती 20 मैचों का शेड्यूल

मैच	तारीख	दिन	समय	वेन्यू
RCB vs SRH	28 मार्च	शनिवार	7:30 PM	बेंगलुरु
MI vs KKR	29 मार्च	रविवार	7:30 PM	मुंबई
RR vs CSK	30 मार्च	सोमवार	7:30 PM	गुवाहाटी
PBKS vs GT	31 मार्च	मंगलवार	7:30 PM	मुल्लांपुर
LSG vs DC	1 अप्रैल	बुधवार	7:30 PM	लखनऊ
KKR vs SRH	2 अप्रैल	गुरुवार	7:30 PM	कोलकाता
CSK vs PBKS	3 अप्रैल	शुक्रवार	7:30 PM	चेन्नई
DC vs MI	4 अप्रैल	शनिवार	3:30 PM	दिल्ली
GT vs RR	4 अप्रैल	शनिवार	7:30 PM	अहमदाबाद
SRH vs LSG	5 अप्रैल	रविवार	3:30 PM	हैदराबाद
RCB vs CSK	5 अप्रैल	रविवार	7:30 PM	बेंगलुरु
KKR vs PBKS	6 अप्रैल	सोमवार	7:30 PM	कोलकाता
RR vs MI	7 अप्रैल	मंगलवार	7:30 PM	गुवाहाटी
DC vs GT	8 अप्रैल	बुधवार	7:30 PM	दिल्ली
KKR vs LSG	9 अप्रैल	गुरुवार	7:30 PM	कोलकाता
RR vs RCB	10 अप्रैल	शुक्रवार	7:30 PM	गुवाहाटी
PBKS vs SRH	11 अप्रैल	शनिवार	3:30 PM	मुल्लांपुर
CSK vs DC	11 अप्रैल	शनिवार	7:30 PM	चेन्नई
LSG vs GT	12 अप्रैल	रविवार	3:30 PM	लखनऊ
MI vs RCB	12 अप्रैल	रविवार	7:30 PM	मुंबई

विरोधी टीम के नेट्स का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टीमों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। यहां दोनों टीमों को प्रैक्टिस के लिए अलग-अलग विकेट मिलेंगे और कोई भी टीम विरोधी टीम के विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी।

प्रैक्टिस से जुड़े मुख्य नियम

हर टीम को प्रैक्टिस एरिया में दो नेट और मुख्य स्क्वायर पर एक साइड विकेट दिया जाएगा। मुंबई में यदि दोनों टीमें एक साथ अभ्यास करती हैं, तो उन्हें दो-दो विकेट दिए जाएंगे। ओपन नेट की अनुमति नहीं होगी, जिससे अभ्यास व्यवस्थित रहे।

साथ ही, अगर कोई टीम अपनी प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर देती है, तो दूसरी टीम उसके विकेट का उपयोग नहीं कर सकेगी। सबसे अहम नियम यह है कि मैच के दिन किसी भी प्रकार की प्रैक्टिस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

किसी दूसरे धर्म में धर्मांतरण पर नहीं मिलेगा अनुसूचित जाति का दर्जा

■ **सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला**

नई दिल्ली. SC/ST यानी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति ईसाई धर्म में धर्मांतरण कर लेता और उसका पालन करता है, तो वह अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं रह सकता। मंगलवार को जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच सुनवाई कर रही थी। सवाल था कि क्या हिंदू धर्म से ईसाई धर्म में जाने वाला व्यक्ति SC/ST एक्ट लगाने के लिए अनुसूचित जाति के दर्जे का दावा कर सकता है?

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा है। बार एंड बेंच के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोई भी व्यक्ति जो हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को मानता है, वह अनुसूचित जाति (SC) का सदस्य नहीं हो सकता। किसी अन्य धर्म में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति का दर्जा खत्म हो जाता है।

मामला समझें...

ईसाई धर्म अपनाने वाला एक शख्स पादरी के तौर पर काम कर रहा था, लेकिन उन्होंने Scheduled Caste, Scheduled Tribe (Prevention of Atrocities) Act के तहत कुछ लोगों के खिलाफ केस किया था। आरोप लगाए गए थे कि लोगों ने उनके साथ मारपीट की थी। उन्होंने एससी एसटी एक्ट के तहत सुरक्षा की मांग की थी, जिसे आरोपियों ने कोर्ट में चुनौती दी थी। आरोपियों का कहना था कि पादरी ने धर्मांतरण किया था।

कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

दिल्ली की एक अदालत ने कश्मीर की अलगाववादी नेता और दुख्तरान-ए-मिल्लत की प्रमुख आसिया अंद्राबी को उम्रकैद और उसकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को 30-30 साल की सजा सुनाई है। तीनों आरोपियों को जनवरी में UAPA (गैरकानूनी गतिविधियों निवारण अधिनियम) के तहत दोषी ठहराया गया था।

दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने सजा पर दलीलें पूरी होने के बाद अंद्राबी पर यह फैसला सुनाया। इससे पहले इस साल जनवरी में केस का फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा था कि आसिया अंद्राबी और उसकी दो अन्य सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची थी।

अप्रैल से सिर्फ हैकिंगप्रूफ कैमरे ही बिकेंगे

■ **CCTV कैमरों से वीडियो फुटेज पाकिस्तान जा रहे थे**

■ **देशभर में नेटवर्क की जांच होगी**

दिल्ली. दिल्ली से सटे गाजियाबाद में पाकिस्तान से जुड़े जासूसी रैकेट के खुलासे के बाद CCTV सिस्टम की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। जांच में सामने आया कि संवेदनशील जगहों पर लगाए गए कैमरों का लाइव फुटेज सीमा पार पाकिस्तान भेजा जा रहा था।

इसके बाद केंद्र सरकार ने देशभर में CCTV नेटवर्क की जांच का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने आईबी और दूसरी एजेंसियों के साथ मिलकर देशभर के CCTV नेटवर्क का ऑडिट शुरू करने की तैयारी में है। वहीं, 1 अप्रैल से सिर्फ हैकिंगप्रूफ कैमरे ही बिकेंगे, जो सरकारी सुरक्षा जांच (STQC सर्टिफिकेशन) पास करेंगे। भारत में 80% कैमरे चीन के हैं, जिनसे डेटा चोरी का खतरा बना रहता है। फिलहाल 7 कंपनियों के 53 मॉडल ही ऐसे हैं, जिन्हें सर्टिफाइड और सुरक्षित माना गया है।

आम लोगों की प्राइवेसी पर भी खतरा

CCTV सिस्टम से निजी डेटा लीक होने के मामले भी सामने आए हैं। इजराइल की ओर से ईरान के ट्रैफिक कैमरों को हैक कर वीआईपी मूवमेंट ट्रैक करने का उदाहरण सामने आ चुका है।

वहीं, सोनीपत रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ने निगरानी सिस्टम में घुसपैठ कर कैमरों की लाइव फीड एक्सेस की और यात्रियों की फुटेज रिकॉर्ड कर उसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। यह सीधे तौर पर निजता का उल्लंघन है। 2023 के डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत किसी व्यक्ति की पहचान उजागर करने वाले फुटेज का गलत इस्तेमाल गैरकानूनी है।

आम सूचना

मैं श्रीमती मेहबुबा अजीज शेख (श्रीमती मेहबुबा अब्दुल अजीज फुलारी) सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, शॉप लाईन के पीछे, शिवाजी रोड, शहाड फाटक, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 09एओ014888000) उक्त प्रॉपर्टी श्री नंदलाल रामलाल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 27.1.1992 सी.नं. 332 /1992 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मेहबुबा अजीज शेख
(श्रीमती मेहबुबा अब्दुल अजीज फुलारी)

आम सूचना

मैं श्री श्रीरंग इश्वर देशमुख सभी को सूचित कर रहा हूं कि हाऊस, 200 चौ.फुट, भरत नगर, सुभाष टेकड़ी, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 32डीओ012905300) उक्त प्रॉपर्टी श्री प्रशांत भगवान इंगले के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.3.2024 सी.नं. 285 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री श्रीरंग इश्वर देशमुख

आम सूचना

मैं श्री मुनेश घनश्यामदास चुघ सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 309, 3रा माला, पंच रत्न को.आप. हाउसिंग सो. लि., प्लाट नं. 415-419, कुलदेवी माता मंदिर के पास, गांधी रोड, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 52डीआय011269800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती रुकमणि छांगोमल कुंजाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.7.2009 सी.नं. 1137 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मुनेश घनश्यामदास चुघ

संक्षेप...

धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बुजुर्ग से ठगी

कल्याण. धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। विष्णुनगर थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग को बेटी के विवाह से जुड़े "दोष निवारण" का झांसा देकर सोने-चांदी के जेवर ठग लिए गए। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता सुलचंद भाग्यवंत (66) को आरोपी दीपक देसाई (55-60 वर्ष) ने विश्वास में लिया। आरोपी ने कहा कि विवाह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए विशेष विधि करनी होगी। इसके लिए उसने सोने का ब्रेसलेट और चांदी का लक्ष्मी सिक्का एक पर्स में रखकर लाल कपड़े में बांधने को कहा।

भिवंडी मनपा का 1,179 करोड़ रुपए का बजट पेश

73 लाख 96 हजार रुपये शेष

भिवंडी. मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने भिवंडी महानगर पालिका के 2026-2027 के लिए 1,179 करोड़, 10 लाख 97 हजार रुपये का बजट पेश किया, जिसमें 73 लाख 96 हजार रुपये का बैलेंस दिखाया गया। इस स्पेशल जनरल मीटिंग में उप महापौर तारिक मोमिन, अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, नयना सासने मंच पर मौजूद थे। इस स्पेशल जनरल मीटिंग में कुछ ही कॉर्पोरेटर मौजूद थे। कमिश्नर के बिना डिटेल्ड बजट पढ़े मुख्य प्रोविज़न का ज़िक्र करते हुए प्रस्तावना पढ़ने के बाद, घंटी बजी और स्पेशल बजट मीटिंग सिर्फ़ 15 मिनट में खत्म कर दी गई. मेयर नारायण चौधरी ने घोषणा की कि बजट पर डिटेल में चर्चा करने के लिए सोमवार (30) को एक जनरल मीटिंग रखी जा रही है।

इस अवसर पर अपने भाषण में आयुक्त अनमोल सागर ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2025-26 का संशोधित बजट एवं वर्ष 2026-27 का मूल बजट अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्ष 2025-2026 के लिए 1117 करोड़ 52 लाख 54 हजार रुपए का संशोधित बजट एवं वर्ष 2026-2027 के लिए 1179 करोड़ 10 लाख 97 हजार रुपए का बजट जिसमें 73 लाख 96 हजार रुपए शेष है, प्रस्तुत किया गया।

महिला एवं बाल कल्याण, दुर्बल एवं निःशक्तजन के लिए 5 प्रतिशत प्रावधान

महिला एवं बाल कल्याण, दुर्बल वर्ग कल्याण एवं निःशक्तजन कल्याण तीनों विभागों के लिए राजस्व आय से निर्धारित व्यय घटाने के पश्चात मूल बजट से 3 करोड़ 26 लाख 40 हजार रुपए का प्रावधान किया गया है। जल आपूर्ति आय कम, व्यय ज्यादा जल आपूर्ति एवं सीवरेज, शिक्षा विभाग, वृक्ष संरक्षण के बजट में आय कम एवं व्यय ज्यादा होने से 2026-2027 के लिए 1179 करोड़ 10 लाख 97 हजार रुपए का प्रावधान किया गया है। इस खर्च के लिए बजट A से पानी सप्लाई के लिए 105 करोड़ 14 लाख 91 हजार और एजुकेशन डिपार्टमेंट के लिए 76 करोड़ 11 लाख 26 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

बजट पर सोमवार 30 को हाउस में चर्चा होगी.. नारायण चौधरी

कमिश्नर द्वारा बजट पेश किए जाने के बाद मेयर नारायण चौधरी ने घोषणा की कि इस पर लगातार चर्चा के लिए बुधवार (25) से जनरल असेंबली में मीटिंग होगी। तीन साल के एडमिनिस्ट्रेटिव राज के बाद हाउस में नए चुने गए लोगों के रिप्रेजेंटेटिव हैं। बजट की कॉपी हाथ में आने के बाद, उन्हें उसे पढ़ने के लिए समय दिया जाना चाहिए।

शिवसेना के पार्षद मनोज काटेकर ने हाउस से रिक्वेस्ट की कि पार्षदों को शहर की बिक्री के बारे में अपने विचार रखने के लिए कम से कम चार दिन का समय दिया जाए। कांग्रेस के प्रशांत लाड और BJP के सुमित पाटिल के रिक्वेस्ट का समर्थन करने के बाद, मेयर नारायण चौधरी ने घोषणा की कि बजट पर चर्चा के लिए सोमवार (30) को सुबह 11 बजे एक स्पेशल जनरल मीटिंग आयोजित की जाएगी और बजट पर स्पेशल जनरल मीटिंग स्थगित कर दी।

शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खास प्रावधान

आयुक्त अनमोल सागर ने पत्रकारों से बात करते हुए साफ़ किया है कि शहर के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए बजट में अलग-अलग डिपार्टमेंट के तहत प्रावधान किया गया है।

1) APJ कलाम शिक्षा अभियान के लिए - 1 करोड़
2) PM बस सर्विस शुरू करने के लिए - 5 करोड़
3) GI सर्वे के लिए - 10 करोड़
4) स्कूल रेनोवेशन के लिए - 4 करोड़
5) 100 MLT - 25 करोड़

हेल्दी दांत, हेल्दी लाइफ

ठाणे सिविल हॉस्पिटल में ओरल हेल्थ अवेयरनेस कैंपेन शुरू

ठाणे. वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे को जोश के साथ मनाते हुए, ठाणे सिविल हॉस्पिटल में 20 मार्च को 30-दिन का बड़ा अवेयरनेस कैंपेन शुरू किया गया। यह पहल, जिसे "एक हेल्दी मुंह पूरी हेल्थ की नींव है" मैसेज के साथ शुरू किया गया था, ठाणे जिले के लोगों में ओरल हाइजीन के बारे में अवेयरनेस पैदा करने पर फोकस करेगी।कैंपेन का उद्घाटन हेल्थ डायरेक्टर डॉ. नितिन अंबाडेकर ने किया। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार,अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, डॉ. अर्चना पवार, डॉ. शुभांगी अंबाडेकर अन्य लोग मौजूद थे। मौजूद लोगों ने कहा कि रेगुलर डेंटल चेक-अप, सही डाइट और हाइजीन की आदतें दांतों की बीमारियों को रोकने के तरीके हैं।दांतों और मसूड़ों की बीमारियों को अक्सर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, लेकिन इस कैंपेन की खास अहमियत बढ़ गई है क्योंकि यह पूरे शरीर की हेल्थ पर असर डालती है।इस 30-दिन के कैंपेन में सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ स्कूलों, कॉलेजों और अलग-अलग सोशल जगहों पर अवेयरनेस प्रोग्राम किए जाएंगे। खास तौर पर, छोटे बच्चों को ठीक से दांत ब्रश करने की आदत डालनी चाहिए, और मुंह के कैंसर और तंबाकू प्रोडक्ट्स के बुरे असर के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।इस कैंपेन के तहत, ठाणे जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को टूथब्रश से ठीक से दांत ब्रश करने और मुंह की सफाई कैसे बनाए रखें, इसका डेमोंस्ट्रेशन दिया जाएगा।

30 मार्च को राजस्थान महोत्सव का भव्य आयोजन

ठाणे. 30 मार्च 2026 को राजस्थान विकास मंच के तत्वाधान में हर साल की तरह इस साल भी राजस्थान दिवस के उपलक्ष में राजस्थान महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा।इस विषय को लेकर 25 मार्च 2026 बुधवार को दोपहर 1:00 बजे से 2:30 बजे तक होटल वुडलैंड में पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया है।

ठाणे में गैस सिलेंडर सप्लाई की आयुक्त सौरभ राव ने की समीक्षा

ठाणे. खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध जैसे हालात को देखते हुए मनपा क्षेत्र के अंतर्गत घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई, मौजूद स्टॉक और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की मौजूदा स्थिति का रिव्यू करने के लिए सोमवार (23 मार्च) को मेयर शर्मिला पिंपलोलकर की अध्यक्षता में एक मीटिंग हुई। इस मीटिंग में मनपा आयुक्त सौरभ राव मौजूद थे। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया कि लोगों को समय पर गैस मिलनी चाहिए, शहर में कहीं भी गैस की ब्लैक मार्केटिंग होती दिखे तो तुरंत कार्रवाई की जाए और जिन सोसाइटियों में गैस कनेक्शन पेंडिंग हैं, उनमें मेट्रोपॉलिटन गैस कनेक्शन शुरू करने का काम तेज़ी से पूरा किया जाए।इस बैठक में डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, सदन के नेता हनमंत जगदाले, विपक्ष के नेता अशरफ यू. शानू पठान, सर्वदलीय समूह नेता पवन कदम, मुकेश मोकाशी, अभिजीत पवार, सरफराज खान, जिला आपूर्ति अधिकारी सरजेराव म्हस्के पाटिल, पुलिस विशेष शाखा की मीना मकवाना, उपायुक्त मधुकर बोडके, राशन वितरण कार्यालय के प्रशांत काले, सुरेखा चव्हाण, सुभाष डुंबरे, रोहित मालकार, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की नोडल अधिकारी चित्रा नायर, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के मयंक तलरेजा, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के सारांश शाहू के साथ ही महानगर गैस के अधिकारी उपस्थित थे।ऑनलाइन बुकिंग करने वाले ग्राहकों को समय पर सिलेंडर मिल रहे हैं। साथ ही, एचपी गैस की जिला नोडल अधिकारी चित्रा नायर ने बताया कि प्रतीक्षा सूची को कम करने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में शासन स्तर पर बातचीत चल रही है और शासन से निर्देश मिलने के बाद छोटे व्यापारियों को दिए जाने वाले गैस सिलेंडर के बारे में फैसला लिया जाएगा।हर वार्ड के नागरिकों की गैस कनेक्शन से जुड़ी मांगों को इकट्ठा करके संबंधित कंपनियों को भेजा जाना चाहिए।

इसके अनुसार आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया कि महानगर गैस और दूसरी गैस कंपनियां प्राथमिकता देकर काम पूरा करें।कई जगहों पर पाइप गैस कनेक्शन की मंजूरी के बावजूद असल सप्लाई शुरू नहीं हुई है। ऐसी जगहों पर तुरंत कार्रवाई की जरूरत है। यह देखा गया कि कई जगहों पर पाइप गैस कनेक्शन की मंजूरी के बावजूद असल सप्लाई शुरू नहीं हुई है। यह भी पता चला कि कुछ इलाकों में 4 से 5 साल से गैस सप्लाई पेंडिंग है। मेयर ने इन मामलों में तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए।गैस पाइपलाइन सप्लाई पर ज़्यादा ध्यान दें, हर वार्ड में राशन ऑफिस और गैस एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाएँ, नागरिकों के पेंडिंग एप्लीकेशन की लिस्ट बनाकर उन्हें तय समय में निपटाएँ, गैस कनेक्शन से जुड़े काम के लिए एक तय टाइमलाइन तय करें, और लोकल कॉर्पोरेटर से मिली शिकायतों को इकट्ठा करके गैस कंपनियों को भेजें और उसी हिसाब से आगे की कार्रवाई करें। कुल मिलाकर, गैस कनेक्शन का मुद्दा सिर्फ़ ठाणे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में है। इसलिए, केंद्र और राज्य सरकारों की पॉलिसी के हिसाब से लोकल लेवल पर असरदार प्लानिंग करके नागरिकों को राहत देने की कोशिश की जाएगी आयुक्त सौरभ राव ने बताया।

58 साल के शख्स पर 10 साल की बच्ची से दरिंदगी का आरोप

आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

भिवंडी. भिवंडी से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है. जहां एक 10 साल की मासूम बच्ची के साथ कथित तौर पर रेप किया गया. इस आरोप में 58 साल के एक बुजुर्ग के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने इस पूरे मामले की जानकारी मंगलवार को साझा की, जिसके बाद से इलाके में आक्रोश और चिंता का माहौल है.

यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि समाज के उस काले चेहरे को भी उजागर करती है, जहां मासूमियत तक सुरक्षित नहीं रह पाती. पीड़ित परिवार के लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं. पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी की भूमिका को लेकर सख्ती से पड़ताल कर रही है.

यह पूरा मामला भिवंडी के भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन क्षेत्र का बताया जा रहा है. पुलिस के अनुसार, आरोपी ने बच्ची को बहाने से अपने घर बुलाया और वहीं इस घिनौने अपराध को अंजाम दिया. इस तरह की घटनाएं दिसंबर 2025 से लेकर फरवरी 2026 के बीच भिवंडी के निजामपुरा इलाके में आरोपी के घर पर हुईं.

आरोपी की उम्र 58 साल बताई जा रही है, जो इस घटना को और भी भयावह बना देती है. बच्ची को भरोसे में लेकर उसे घर बुलाना और फिर उसके साथ गलत हरकत करना, इस पूरे मामले को बेहद गंभीर बना देता है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी और पीड़िता के बीच किसी जान-पहचान की भी संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है.

पीड़िता के परिवार ने जब हिम्मत जुटाई, तब जाकर यह मामला पुलिस तक पहुंचा. परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया. इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64 और धारा 74 के तहत कार्रवाई की गई है. इसके साथ ही यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम के तहत भी गंभीर धाराएं लगाई गई हैं.

एक पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि मामले को बेहद संवेदनशीलता के साथ देखा जा रहा है और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे. हालांकि इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिकायत दर्ज कराने में देरी क्यों हुई.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती प्रीति विजय कटारिया के पति स्व. विजय गुरमुखदास कटारिया का दिनांक 22/04/2025 को निधन हो गया है। उनके नाम पर मौजे-अंबरनाथ स्थित 'मोहन प्रिसियस ग्रीन प्रोजेक्ट' इमारत के 'सी' विंग में नौवीं मंजिल पर स्थित आवासीय फ्लैट संख्या 905, जिसका क्षेत्रफल 45.54 वर्ग मीटर है, यह संपत्ति उपलब्ध है।

उक्त संपत्ति का कुल क्षेत्रफल 45.54 वर्ग मीटर है, जिसमें से आधा हिस्सा पत्नी प्रीति विजय कटारिया के नाम पर है। शेष आधा हिस्सा विजय गुरमुखदास कटारिया के नाम पर था, जो अब उनके वारिसों—प्रीति विजय कटारिया (पत्नी), डॉली विजय कटारिया (पुत्री), सुमित विजय कटारिया (पुत्र) और विमला गुरमुखदास कटारिया (माता) को उत्तराधिकार के अधिकार के रूप में प्राप्त हुआ है।

यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत या आपत्ति है, तो वे 14 दिनों के भीतर अपने मूल दस्तावेजों और कागजातों के साथ साहिल ज्ञानचंदानी के कार्यालय (पताः उल्हासनगर 5, गांधी रोड, जैकी प्लाजा होटल के सामने) में अपनी शिकायत दर्ज कराएं.

वकील
श्री साहिल दयालदास ज्ञानचंदानी

कांतारा विवाद में रणवीर मांगेंगे बिना शर्त माफी

10 अप्रैल को कर्नाटक हाईकोर्ट में देंगे हलफनामा

फिल्म 'कांतारा' के दैवा सीन की मिमिक्री करने के मामले में रणवीर 10 अप्रैल को कर्नाटक हाईकोर्ट में बिना शर्त माफी का हलफनामा दाखिल करेंगे। एक्टर की ओर से यह कदम कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दर्ज FIR के बाद उठाया गया है।

अदालत में सुनवाई के दौरान रणवीर सिंह के वकील ने स्वेच्छा से एक प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि एक्टर खुद मैसूर के चामुंडी मंदिर जाकर व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने के लिए तैयार हैं। इससे पहले फरवरी में हाईकोर्ट ने रणवीर को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई न करने का निर्देश दिया था।

विवाद पिछले साल नवंबर में गोवा में हुए फिल्म फेस्टिवल (IFFI) के दौरान शुरू हुआ था। जहां रणवीर ने ऋषभ शेट्टी के आइकॉनिक दैवा सीन की नकल की थी। यह इसके बाद कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में उनके खिलाफ FIR दर्ज की गई थी।

इंस्टाग्राम वाली माफी सिर्फ दिखावा

हालांकि, शिकायतकर्ता और एडवोकेट प्रशांत मेथल ने रणवीर की माफी को 'दिखावा' बताया है। उन्होंने दलील दी कि एक्टर ने अब तक केवल इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखकर माफी मांगी थी, जो दिल से निकली हुई नहीं लगती। मेथल का कहना है कि इंस्टाग्राम पर माफी मांगना और कोर्ट में आकर या व्यक्तिगत रूप से बोलना अलग बात है।

रणवीर सिंह 28 नवंबर 2025 को गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया का हिस्सा बने थे। इस दौरान मंच पर उन्होंने फिल्म कांतारा में दिखाई गईं चावुंडी (चामुंडा) देवी का मजाक बनाया था।

रणवीर सिंह ने फिल्म के डायरेक्टर और एक्टर ऋषभ शेट्टी से कहा, 'ऋषभ मैंने इसे (कांतारा) थिएटर में देखा था। वो एक आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस थी, खासकर जब फीमेल घोस्ट (भूत) आपके शरीर में आती है। वो परफॉर्मेंस, वो एक शॉट आउटस्टैंडिंग था।'

हज यात्रियों को 31 मार्च तक टीकाकरण और मेडिकल जांच की सुविधा उपलब्ध

ठाणे। ठाणे मनपा के कौसा स्थित मौलाना हकीम अजमल खान अस्पताल में हज यात्रियों के लिए टीकाकरण और मेडिकल जांच शिविर की सुविधा 31 मार्च तक किया गया है। उक्त जांच शिविर मुंब्रा-कलवा विधानसभा अध्यक्ष शमीम अहमद खान, ठाणे मनपा विरोधी पक्ष नेता अशरफ (शानू) पठान, वरिष्ठ नेता सिराज डोंगरे, इमरान सुरमे, जफर सैयद एवं पक्ष के सभी नगरसेवक-नगरसेविका यासीन कुरैशी, सुधीर भगत, मोतीराम भगत, मनीषा भगत, पल्लवी जगताप, शाकिर शेख, मर्जिया पठान, बुद्धभूषण गोटे, साकिब दाते के प्रयासों से 31 मार्च तक मुफ्त जांच शिविर आयोजित है। यह जानकारी राकांपा (शरद) मुंब्रा कलवा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान ने दी। ठाणे मनपा प्रसासन द्वारा कौसा के हकीम अजमल खान अस्पताल में हज पर जाने वाले यात्रियों को मेडिकल सर्टिफिकेट उपलब्ध कराने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस कार्य के लिए अस्पताल में कुशल डाक्टरों की टीम तैनात की गई है। जिसका हज यात्रियों से लाभ उठाने की अपील की गई है।

आम सूचना

मैं श्री गणेशसिंघ लालसिंघ माझी सभी को सूचित कर रहा हैं कि रुम, बैरक नं. 588 के सामने, 400 चौ. फुट, ओटी टी सेक्शन, दुर्गा माता मंदिर, उल्हासनगर- 2 (टैक्स नं. 19बीओ017818100) उक्त प्रॉपर्टी श्री लालसिंघ करणसिंघ माझी व

श्री सूरजसिंघ लालसिंघ माझी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 23.3.2026 सी. नं. 313 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री गणेशसिंघ लालसिंघ माझी

सार्वजनिक सूचना

मैं, अपने मुवक्किलगण की ओर सेः

1. श्री इंद्रपाल एकनाथ भोईर, निवासी वळ गाव, तालुका भिवंडी , जिला ठाणे,
2. श्री भरत रणमल मारू, निवासी लक्ष्मीनारायण रेसिडेंसी, ई/1103 देवदया नगर, ठाणे. तथा
3. श्री वसंत भगवान भोईर, निवासी वळ गांव, तालुका भिवंडी, जिला ठाणे,

की ओर से यह सार्वजनिक सूचना जारी करता हूँः

मेरे मुवक्किलों ने मौजे वळ, तालुका भिवंडी, जिला ठाणे स्थित कृषि भूमि, सर्वे क्रमांक 27/2/4 क्षेत्र 0.21.0 हे. तथा सर्वे क्रमांक 27/2/5 क्षेत्र 0.19.0 हे., कुल क्षेत्र 0.40.0 हे, श्री मितुल अमृतलाल मारू से दिनांक 20/05/2005 को निष्पादित पंजीकृत हस्तांतरण विलेख द्वारा खरीदी थी, जो कि उप-पंजीयक क्रमांक 2, भिवंडी के कार्यालय में पंजीकरण क्रमांक BWD-2/1668/2005 के अंतर्गत पंजीकृत है। उक्त विलेख का मूल दस्तावेज गुम हो गया है। इस संबंध में मेरे मुवक्किल श्री वसंत भगवान भोईर ने दिनांक 26/09/2022 को नारपोली पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी रिपोर्ट क्रमांक 1733/2022 दर्ज कराई है। उक्त दस्तावेज की प्रमाणित प्रति उप-पंजीयक क्रमांक 2, भिवंडी के कार्यालय से प्राप्त की गई है। इस सूचना के माध्यम से समस्त जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था या प्राधिकरण के पास उक्त मूल दस्तावेज उपलब्ध हो या उक्त संपत्ति के संबंध में कोई अधिकार, हक, दावा या हित हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **15 (पंद्रह) दिनों** के भीतर अपने मूल दस्तावेजों सहित आपत्ति/दावा उपरोक्त पते पर प्रस्तुत करें।

निर्धारित अवधि में कोई दावा/आपत्ति प्राप्त न होने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति पर किसी का कोई अधिकार या दावा नहीं है, तथा तदनुसार **No Claim Certificate** जारी किया जाएगा।

हस्ताक्षरितः
Sd/-
Adv Shailesh Kashiram Holkar
Add: 103, N G Regency Building No 6 CHSL, Balkum Pipeline Road, Balkum, Thane-400608.

दिनांक 23.03.2026
ठिकाणः ठाणे

आम सूचना

मैं श्री प्रदीप फूलचंद कनोजिया सभी को सूचित कर रहा हूं कि हाऊस, 200 चौ.फुट, भरत नगर, सुभाष टेकड़ी, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 32डीओ0020739900) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुभाष दादू कांबले के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 1.7.2021 सी.नं. 87 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रदीप फूलचंद कनोजिया

आम सूचना

मैं श्री हरेश गोदूमल माधवाणी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 2, (टीजी), पोर्शन आफ रुम, बैरक नं. 2005 के सामने, उल्हासनगर-5. (टैक्स नं. 56डीआय011884800) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती निर्मला गोधूमल माधवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.9.2019 सी.नं. 341 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री हरेश गोदूमल माधवाणी

आम सूचना

मैं श्री सुरेश सत्यनारायण इयर सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 2, (टीजी), पोर्शन आफ रुम, सामने उल्हासनगर रेलवे स्टेशन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 42सीओ009564100) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती राजमनी सुरेश इयर @ राजमनी बिंगी व श्रीमती लक्ष्मी महेश रामन के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 8.12.2025 सी.नं. 54/2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुरेश सत्यनारायण इयर

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099